भारत को लौटाई गईं गुरु ग्रंथ साहिब की प्रतियाँ

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

हाल ही में कतर की राजधानी दोहा में स्थित भारतीय दूतावास को गुरु ग्रंथ साहिब की दो प्रतियाँ **(सरूप)** लौटा दी गईं।

- दिसंबर, 2023 में कतर के अधिकारियों ने बिना अनुमति के धार्मिक प्रतिष्ठान संचालित करने के आरोपी व्यक्तियों से सिख धर्म की दो पवित्र पुस्तकों को ज़ब्त कर लिया था।
- **सरूप के बारे में: यह** श्री गुरु ग्रंथ साहिब की एक **भौतिक प्रति है, जिसे** पंजाबी में **बीर (Bir) भी कहा जाता है।**
  - प्रत्येक बीर में **1,430 पृष्ठ होते हैं**, जिन्हें **अंग (Ang) कहा जाता है**।
  - सिख लोग गुरु ग्रंथ साहिब के सरूप को **जीवित गुरु मानते हैं** तथा इसका अत्यंत सम्मान करते हैं।
  - गुरु अर्जन देव **(5वें सिख गुरु) ने वर्ष 1604** में गुरु ग्रंथ साहिब की **पहली बीर** संकलित की और इसे अमृतसर के **स्वर्ण मंदिर में स्थापित किया।**
  - बाद में गुरु गोबिंद सिंह **(10वें सिख गुरु) ने** गुरु तेग बहादुर **(9वें सिख गुरु)** द्वारा लिखे गए छंदों को इसमें जोड़ा और **दूसरी तथा अंतिम बार** बीर को संकलित किया।
- **गुरु ग्रंथ साहिब के बारे में:** यह छह सिख गुरुओं, 15 संतों (भगत कबीर, भगत रविदास, शेख फरीद और भगत नामदेव), 11 भट्ट (गाथाकारों) तथा चार सिखों द्वारा लिखे गए **भजनों** का एक संग्रह है।
  - ये पद **31 रागों में रचित हैं**।
  - वर्ष **1708** में गुरु गोबिंद सिंह ने गुरु ग्रंथ साहिब को **सिखों का जीवित गुरु (Living Guru)** घोषित किया।

और पढ़ें: सिख धर्म

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/return-of-guru-granth-sahib-copies-to-india